

50910

50910

50910

50909 - (मन्तराज व्याख्या -)

50910 - (सुक्ति महानन्दकथा -)

Acc No: →

मन्त्रोपाख्या

श्रीः

ॐ श्रीगुरुवेमिवयै नमः ॥ ॥ श्रीगुरुद्विरयै नमः ॥ ॥ ॐ शुभश्रीप्रह
द्विरभुम्भइष्ट ॥ वभदेवदपि ॥ मरषकमः ॥ श्रीप्रहद्विरमेवउ ॥ दं
वीराभा ॥ क्षीमाजि ॥ न्नीकीलकभा ॥ भभकीप्रमिहूजप ० विनियोगः
ॐ भन्नरभुभापभीरुगवतुंभदेन्नरभा ॥ भभभाभुमालेपचमीप
गिपकति ॥ श्रीमेवदम ॥ एरनीयभदविहृष्टद्विरभदेमय ॥ नर
गीदिउजयवलनंरद ॥ यम ॥ गल्लभभलिकनंममीरनंमभदेम
॥ विहृषंमदि एगीनं विसेष ॥ जभणरी ॥ भदकयेप ॥ एषविहृमपि
कयेप्रम ॥ एषुमंभिकुविबुतनमीरमभभइके ॥ अठिमरपभवेपयज

श्रीः

गणकयेषम॥विमधंमद्विस्तीनंविमेषहुरणरि॥मयमेरुगुण
ननीमेवीरुत्तवष्टकगीतिभ॥महत्तनमिनीमेवीप्रमिउरुप्रकमिठ
उंविहंठभगमूषुकषयधमभप्रुठ॥श्रीकैरवउवम॥भप्रभप्रभद
प्रुल्लेणकुनंदिउकष्टय॥उववकुङ्कमनिकषयभिनभंसयः॥
मेवीप्रुष्टागिरविहभवयुदविरमिनी॥भद्विनीभवकुतनंभवपपप्र
भेमिनी॥श्रीगलप्रुहतीरंमणकुनंदिउकंरि॥मेरुगुणननीमेवी
महमेमहमकुले॥गणकुमेमहकिहोभदकयउपमिउ॥प्रुठिउप
ठिउमेवीभवमिद्विकरीभ्रु॥विहभभउभविहणरिउवमिठभ

ले॥ लिपिद्वयकरेक उच दौमिर मिणययेउ॥ भुतेसमभदप्येगै
 दूनीतिउरभयै॥ गूदढवाभुवामिदूमेवरहमपत्रगः॥ नउधुपीकं
 ऊपतियेमाउपीककगूद॥ भइजहठिमयसुनउंथप्रुवरतिवै॥ नि
 उंणययभनधुभभगवंप्रकलयेउ॥ येणययेउंगवुजभुधुरगठवइ
 म॥ एरिठवामिठविहप्रहद्विगभयमिठ॥ भवामिद्विकगीभउगयधु
 न्मभदविहं॥ मिद्वजमिद्विमिहंविहयेपगभभउ॥ श्रीभउप्ये
 गउपंरुपितप्येगउपि॥ प्रहद्विगभयप्रुगमिधद्वीरभंनभ
 दरिमभनमिभ्रंरैमरगुदुभनम॥ लिपिद्वयकलपइउणगनीयम

॥ श्री ॥
 ॥ ७ ॥

मन्त्रः॥ प्रथमे ब्रह्मे विमिहैस्वरूपद्वयप्रणयै॥ प्रणयिद्वयवृत्त्यं मे उ
क्तं न वेष्टुयेत॥ अथ ये ह उभं विहं निश्चितं विप्रमिनीभा॥ विलयं य
त्रिगुणवः प्रहृष्टिगवणरत्न॥ यद्वत् मतिदत्तनयद्वत्तुतिगिद्व
य॥ अथ उक्तं न वेष्टुयेत पमद्वः कर्ममत्त॥ कर्मत्तये एतद्वत्तुतिगिद्व
त्तुमत्त॥ कक्षितं एतद्वत्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥ उक्तं पद्वत्तुतिगिद्वत्तुमत्त
इमे मयः॥ मत्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥ विमचमिद्विकरः मत्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥ मत्तुतिगिद्वत्तुमत्त
लकम् उक्तं पमद्वः॥ मत्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥ विहं प्रहृष्टिगमद्वत्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥ प्रहृष्टिगमद्वत्तुमत्त
त्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥ वत्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥ मत्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥ मत्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥ मत्तुतिगिद्वत्तुमत्त॥

मृगमुमुभमदः प्रियमन्नः॥ अहमुतं यतिविहः॥ मिद्रिमेवः प्रमम
 उः॥ मगमरमिमं भवं ममैलवनकरनभा॥ मरगीदिउजयमणकं यममव
 उ॥ मवमवमुतं यतिरणमनमुनिहमः॥ गेलकमुप्रठवे प्रहद्रिगप्र
 ठवउः॥ दिप्रममयमगुमिमं विहं मएनउ॥ रिलिउच्चमः मवमेव
 विहणमिठिः॥ गेलकं मप्रवहमिठेधएरिममवमः॥ कउममनकं मेव
 रमनकुडुमंउषा॥ एमकं विधं रिधुमिद्रुमलगीउषा॥ पउमुहान्वि
 ठइगेलगकेरिणयेउ॥ ममुतं णयेमडीणकं मेव विहमः॥ अपनममुवह
 मिप्रहद्रिगमुठपिउभा॥ मिहैमइपमेवैवमपेपयैः मपप्रयैः॥ ॥ ॥ ॥ मवमउप

विठं भउके पीचगीनः॥ ७ डिष्टनं॥ उरभः भवभिद्वियोगिरीहैरभः भव
भिद्विभः इहैरभैरिहैमिठनमनमिठयैभकलजलमरुयकयैठगवडै
मरुकपानिहै॥ उरुषा॥ छैह्रीकुंददंदांरैरभः॥ छैपरभदंभिरिचंभ
नप्रमेविषमैपप्रवप्रमभभिमकलमरुगिठगिपुलेममलिनिभकलपमभु
पिठगिन्मकलमरुप्रभभिरिमेविशुगकु॥ १॥ दभ॥ वन्न॥ १॥ नरुगिगवभ
इठहोन्मभभंमरुमरु॥ १॥ पदि॥ १॥ शिपुलेनठिद्वि॥ १॥ किद्वि॥ १॥ पत्र
रुठमय॥ १॥ केमय॥ १॥ उवडवमभमकलभरैगवमपय॥ १॥ परभकमा
कैठगवडिभदकैरवकुपणगिन्म॥ इममवगरभितैमकलमरुमरुः प्रं

श्री.

[illegible]

श्री.

ऊं रं कीलया ॥ १ ॥ यं मं कीलया ॥ १ ॥ प्यं उया ॥ १ ॥ छें पें विषम उये भद उए म
 छें सुं मः भम मरु तं भापें मुभुया ॥ १ ॥ छें सुं मः भम मरु तं मिरं मिमुभु
 या ॥ १ ॥ छें दं मः भम मरु तं मिरं मिमुभुया ॥ १ ॥ छें रिहं मुभुया ॥ १ ॥ छें गुहं
 मुभुया ॥ १ ॥ छें विहं मुभुया ॥ १ ॥ उं ॥ दमुं मुभुया ॥ १ ॥ उं ॥ पं ॥ गुहं एगं परिम
 मं लि मुभुया ॥ १ ॥ उं ॥ उदियं लि मुभुया ॥ १ ॥ उं ॥ गद उः ऊदं मुभुया ॥ १ ॥ उं
 ऊं रं कीलया ॥ १ ॥ उं ॥ यं मं कीलया ॥ १ ॥ उं ॥ मं कं कीलया ॥ १ ॥ उं ॥ रं किं कीलया ॥ १ ॥ उं
 छें सुं मः भम मरु तं भवं देदं कीलया ॥ १ ॥ छें मचा मिह्मि भद रुगं भद रुगं
 एम मणिकं एम परिवरं कृष्टं भव उरे वां ऊं ॥ १ ॥ सिं ह ए भद ॥ छें छें छें छें छें

श्री.
 ३

कुं कुं कुं कुं कुं ॥ यं यं यं यं यं ॥ रं रं रं रं ॥ लं लं लं लं लं ॥ वं वं वं वं वं ॥ श्री श्री
श्री श्री श्री ॥ कुं कुं कुं कुं कुं ॥ श्री श्री श्री श्री श्री ॥ कुं कुं कुं कुं ॥ कण कण कण
द ॥ ऐं ० ॥ ऐं ० ॥ ऐं ० ॥ ॐ कुं कण ॥ ॐ पूह द्विभद विहृ भभणक
भभप विवग भभव उर द ॥ ॐ ० ॥ ॐ ॐ ॐ कण कण द ॐ भभग
यति वं उले भभ भ विव मि विद भु विव गि लि रि कुल व इ कु म म
जिण गि लि न णि भं भ क क्षि लि क प ल प इ रु ण मि ण गि लि ॐ भ
भणक भभप विवग क भभ रु रु द ॥ द न ॥ प म ॥ भ व ॥ भ व द
भ्र न्म ॥ ॐ ॐ ॐ रं रं रं कुं कुं कुं कण कण द ॥ ॐ ॐ ॐ श्री श्री श्री रं भु

॥ श्री ॥

८॥ ॐ॥ वभुवरेभभपमैरवा॥ १॥ अ॥ द॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ दे॥ दे॥ म्हे॥ म्हे॥ कुं॥ कुं॥ द्री॥ द्री॥
ॐ॥ ऐं॥ द्री॥ श्री॥ प्र॥ ह॥ द्वि॥ रे॥ भ॥ भ॥ भ॥ च॥ म॥ गी॥ रं॥ र॥ वा॥ १॥ अ॥ द॥ ॐ॥ भि॥ नी॥ भि॥ दि॥ नी॥ मे॥ व॥ की॥
कि॥ नी॥ इ॥ वि॥ नी॥ उ॥ व॥ ॥ ए॥ भि॥ नी॥ इ॥ भि॥ नी॥ रे॥ श्री॥ उ॥ व॥ भं॥ द॥ रि॥ नी॥ डि॥ मा॥ म॥
ऊ॥ प॥ ॥ रु॥ भ॥ ये॥ गी॥ र॥ म॥ रु॥ प॥ हो॥ रि॥ ये॥ रि॥ उ॥ ॥ ए॥ रि॥ उ॥ भ॥ ए॥ के॥ के॥ ॥ भ॥ च॥ म॥ रु॥ वि॥
मि॥ नी॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ भु॥ भि॥ नी॥ म्हे॥ १॥ भ॥ भ॥ म॥ रु॥ रु॥ भु॥ य॥ १॥ अ॥ द॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ मे॥ दि॥
रि॥ म्हे॥ १॥ भ॥ भ॥ म॥ रु॥ मे॥ द॥ य॥ १॥ अ॥ द॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ठि॥ लि॥ म्हे॥ १॥ भ॥ भ॥ म॥ रु॥ ठे॥ क॥ य॥
अ॥ द॥ ॐ॥ ॐ॥ इ॥ वि॥ लि॥ म्हे॥ भ॥ भ॥ म॥ रु॥ रु॥ व॥ य॥ १॥ अ॥ द॥ ॐ॥ ॐ॥ अ॥ ए॥ भि॥ लि॥ म्हे॥
भ॥ भ॥ म॥ रु॥ रा॥ ए॥ भु॥ य॥ १॥ अ॥ द॥ ॐ॥ ॐ॥ इ॥ मि॥ लि॥ म्हे॥ १॥ भ॥ भ॥ म॥ रु॥ रु॥ भ॥ म॥ १॥ अ॥ द॥

श्री.

रकिङ्कि॥३॥किलि॥३॥पिवा॥३॥नणिरं॥३॥किनि॥३॥कलि॥३॥भदकलि॥३॥
मुंहीरुं॥३॥कुं॥३॥दण॥३॥भद॥३॥॥॥यउभं॥३॥णय॥३॥दिउं॥३॥दिभं॥३॥वापियः॥३॥पण॥३॥भ
पिउ॥३॥उ॥३॥केव॥३॥पि॥३॥प्रद॥३॥उ॥३॥त्रभं॥३॥मयः॥३॥भवउ॥३॥णय॥३॥दिउं॥३॥भद॥३॥कय॥३॥वि॥३॥
उि॥३॥भद॥३॥कय॥३॥प॥३॥प॥३॥ग॥३॥प॥३॥न॥३॥क॥३॥य॥३॥वि॥३॥उ॥३॥क॥३॥मि॥३॥ग॥३॥भ॥३॥व॥३॥क॥३॥भ॥३॥र॥३॥व॥३॥प॥३॥उि॥३॥भ॥३॥उ॥३॥
मि॥३॥वि॥३॥न॥३॥भं॥३॥म॥३॥यः॥३॥क॥३॥ए॥३॥भ॥३॥उ॥३॥न॥३॥उ॥३॥मि॥३॥क॥३॥वि॥३॥दि॥३॥क॥३॥नी॥३॥ण॥३॥प॥३॥प॥३॥क॥३॥भ॥३॥॥३॥क॥३॥
भ॥३॥भ॥३॥प॥३॥उ॥३॥र॥३॥क॥३॥य॥३॥भ॥३॥ए॥३॥क॥३॥उ॥३॥भ॥३॥भ॥३॥॥३॥उ॥३॥उि॥३॥प्र॥३॥उ॥३॥दि॥३॥ग॥३॥मुं॥३॥भ॥३॥भ॥३॥उ॥३॥मि॥३॥उि॥३॥मि॥३॥व॥३॥भ॥३॥॥३॥

श्रीः

ॐ श्रीगुरुवेमिवयै नमः ॥ ॥ ॐ नमो भिपराभमदे ॥ ॥ ॐ दंभ ए विमंय
ऊष्म धूमगविमिउः ॥ वलेमममकुतः ॥ चकमै निफलः ॥ ॥ ॐ दं
भाएउति ॥ भवभाभि संदरक रिदेरदनमभमनपमप्रवति विवतिउ
ऊवठे पप्रुनभंयउउतिवहम ॥ ॐ ॥ सुमिवाउउविमप्रवतिउउ
नमोएयउरंगीणमिहमिनपरंमभुप्रकिदिउनदउप्रतिउपो ॥ ॥ ॐ ॥
गयउकमिउतिदउरविहउ ॥ ॐ ॥ भयमममउमेवउतिवहम ॥ ॐ ॥
उउमिउनभुमिउमउरडेकभगः ॥ ॐ ॥ मरकुदकः पप्रुभो ॥ ॐ ॥
ऊकमममिप्रभगमउप ॥ ॐ ॥ उविमप्रवतिउपउयविहउ ॥ ॐ ॥

श्रीः
ॐ

कि। छिद्रनरुठमनेनरियमहुअइलअनलिपिइमेअपि। उवृणः५
भउमजिइयकेएि। प्रकएइइकिउमुहुमेधविमभनमंदगइभउउप्रम
रे॥ पधुमपइममेवउमुमेविउ॥ अ। उउ उवहभ॥ गीह॥ नमठह
रकमजिउपउयउ॥ कुतेनेवपभइरिउयममर॥ कुप॥ विठमिउ
भेयोणित॥ अषम॥ परठमहुमःकि। छिद्रानिउनेगइ॥ उगदयेसदभइ
कुपउपमनेनेमापीकुउ॥ रिमरमेधविमभमभुवेमनइरमभुगिउठ
मपइयउः॥ वहभ॥ हाउिमउहुगलेमनममउयेगकीनउनिगीणिक
मउहापिनी॥ मभनेमनप्रमयमउहुगमउविमउयेयमुमपममम

चउ

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कलय पप्रममकरे ॥ मप्येउउममजिमरुउपे ॥ वृद्धविष्णुनम्रवृद्ध
 प्रवृत्तिभय ॥ निरुगगप्रमप्रपुनि ॥ प्रमेयप्रम ॥ प्रमरुद्धेतिभवि
 प० मि० ति० भ० द० विलय ॥ इ० क० म० भ० य० रा० ग० क० ज० य० ति० ॥ हा० ए० प्र० म० न० म० उ० इ० य०
 वि० द्रु० मि० प्र० मे० य० प० रि० प० ए० म० प्ये० उ० प० य० के० म० क० म० भ० य० स० र० म० म० मि० व० न० मि० उ०
 मी० प्र० क० क० व० ति० न० उ० द० प० म० व० मि० उ० क० म० इ० म० म० ति० म० य० न० न० मि० ति० भ० द० र०
 म० ह० र० उ० न० क० म० य० ति० ॥ उ० म० र० म० म० प्ये० उ० प० म० जि० म० र० प० म० उ० य० म०
 प० उ० द० म० उ० प० म० र० दि० उ० य० म० म० यी० उ० व० न० म० य० गी० ति० क० ग० व० उ० व० क० उ० प० उ० प०

॥ श्री ॥
 ॥ ७७ ॥

॥ ॐ ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्री
७७

यत्तरेणः लेकैरभीग्न नष्ट भउष ॥ यमं परैव चरणि एतद्विकृतं मपिन
 भीग्न ॥ भउमर ॥ नभउं एम ॥ उदित मंरी ॥ गइद्विचम ॥ ममिउति नभीग्न ॥
 यत्तमंरीमं भीउम मयति ॥ मुनीमिहमिना ॥ उमद्विगीचं वउमं विमइं सु
 पयमणकुपं ॥ विमिउिहउयकुममः ॥ मवमयमनमं पिमवकुपं ॥ मवउं
 मप्र ॥ मंभीउिप्र ॥ वकुव ॥ मवममप्र ॥ प्र ॥ मुपिप्र ॥ कुतं मन
 मं पिमनं कुतं यत्तुं उमेवभीमिहउः ॥ प्र ॥ मुप्र ॥ मंउमइयमइयः ॥
 मं मुं मं मं मं विमिउिमुहउरउ ॥ ममेवमं मुममगुमुभीमिउि
 म ॥ यइउिउिभीउिदिहउं विममपमवीनरं द्वाउि ॥ मममविचमनरुद ॥

श्री.
 ०५

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

दिक्पंतम्भस्त्रिभुजदिउरुउरुप्रपञ्चैरिजतः॥ यश्चदियत्रभउरुक्पंतत्रि
 नृकृमिष्टमडु॥ प्रकरतुरे~ विचउरुभीमिउरैवामिउिपरिदरति॥ प्र
 कंतम्भलिलंभवम'उरुमिउिप्रभमभ'रुठवरुक्तः॥ प्रगीधुम'रुक्तं
 विचमभ'मिउिउरुउरुउ॥ भमउ'रुम'रुक्तं उरुमवंरुष्टंमालिलंप्रके
 उप्रपुष्पिउ॥ भमउपंमिउंरुम'रुष्टः भममिउ'प'प'॥ मिउ'भउय
 विचमभ'मिउ॥ उरुम'रुक्तं उरुम'रुक्तं भममिउ'प'प'॥ मिउ'भउय
 प'प'मिउ'भउय उरुम'रुक्तं उरुम'रुक्तं भममिउ'प'प'॥ मिउ'भउय
 उरुम'रुक्तं उरुम'रुक्तं भममिउ'प'प'॥ मिउ'भउय

श्री.
 ०५

श्रीः

वैभवेवभवणरुप्रमिदः॥ उँकरंरुद्रउडु मिडिदुलिउँउ॥ यडउं॥ यम
यभवडाभ्रडिडिणमुयभकलभिदंरागडूडूभा॥ पभदममभदमः ५
षभः॥ मिवउडुभमुउउडूगिडि॥ उयभेवहृदुउममरुगवउपा
पिदमिउवदः॥ क उदत्रवमवउवरणमलयैगुभगं॥ यउउमगमपि
दभत्रमेवगलउठयो॥ उदिनभत्रममडठयनमकलराव॥ किमपिर
उडुमभुभवदुष्टमयीउयमडि॥ पवंविणुत्तभुपडुभउठमय
ऊडिमेषरुभरादिउमीधमडकविभुपकुडूउमकभाएउडु
विमेषः भवषभालिलडकः उडूउगः ५डउडुव॥ मेपिवदुष्टं ५एय

येहेवंकुपउति॥ पककीरभभृदभिडिहयग॥ प्रकमभृभृकुपभउ
 विमृउरउविषयः॥ भृभृप्रकमउविमृउिभृकुपेविभमः॥ भृदभाएः
 भिवउइन॥ भृरहेमपभृप्रकमउविमृउिरेकुम॥ विमृनभभयीवि
 भृवभृभृवभयीभंविमेवकिडिदकरउंगउभगीउकुमउिउप॥
 भवठवभंगीएकुभिः॥ मउवभृमउिभिवउइइयभेव॥ भउएल्लप
 १भ॥ उंकउतिवलइयंभृभृभंविदुपप्रकमठिप्रये॥ भिवउइइ म
 कंविभमठिप्रये॥ मउिगिउि॥ यभालिउमिवमउीपउइइभृवउि॥
 पंरिप्रल्लभृभृपारिविठगभभेकरभमिमइइदिगवउर॥ कुलक॥

श्री.
 ००

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

कविष्टुपिञ्चयभेवकं एलंकभाष्टं॥ प्रभिकः कमिर्धुनः॥ मंतरमजे॥

रिक्तप्रसङ्गवमदा॥ प्रपतिप्रज्ञे॥ कभभुमगुमभवउउणिमरभरेउः॥
षमंयमभीदिगि॥ उउभ्रकुर्वठवउपदग्रेकभः ककरः भभवउउम
भएयउअणिवरुठवरठवउ॥ उभ्रकुभ्रदिहपेदायभदा॥ यममि
भंवउसुदिकर॥ भद्रुविकल्पद्रुमभरभैठवति॥ उउंमपुग
प्रउग॥ अपपवममहमउभवीदभवभणउ॥ उउभ्रकुवद्रुमंम
दभं सुममप्रुठभिउि॥ अपः मभउविषयउकुद्रुकरमः वद्रुठव
गग॥ वीदभदभिमभिहदिविमन्नमभहं॥ उदेववीदमक्तिभयप्र
रुतिपशीलन॥ उद्रुकभरुमउपुयंदेभंपाप्रुकमलन॥ कुरकभ

श्रीः
०३

यमठवत्त॥ अरडलुप्रकसंपराप्रकसंभयइमडभु॥ रंभयुंभनभंउं
भवमभमविमेषउसुं एनठवनप्यनउरठवप्यनउभीठवक्रुमे॥ अ
इं त्रिइमपवइइइ ठठैरव'कुतयपरि'उ॥ अइं एभुलइरिध
डिगमुपिमवत्रठवविधयीठवति॥ पइइउंमयकु'एकंमल'एमुन
विमं'दोरि'वि'उ'भउ॥ कलिलवइण'इव'भु'क्रुमे'उ'कि'ठैरइ
ग'हु'मिपरि'भम'वर'अ॥ उष'मर'भकु'प'उ'उ'दि'र'ए'क्रुमे'क'ल
उ'र'भ'ट'कि'भ'ठ'व॥ वी'ए'म'र'इ'र'मि'क्रुमे'क'ठै'म'प'क'र'मि
परि'भ'पि'म'उ'उ॥ एउ'म'व'भु'उ'इ'इ'ग'गु'न'ठि'न'उं॥ सु'उ'नं'मि'इ'म'भु

पंभकरइभपराउभा॥रागदूपउय'वनेप्रहर्षैरवंप्रगिति॥सुक
ममीरंमिदुनउपउठिप्रये॥उपनिधमैरापि॥बुद्धैवकममीरं
ऊठनंकरं॥मिदुऊ॥उषमऊडिगीयेपनिधउ॥उभूडपउभूड
रसुकमःमभूउसुकमडववयेगिराग्रपःसहुः॥पविनीपाविह
उषणयउषणिहैत्रमिहमि॥यस्रकिप्रिज्ञगडूवंरुमुउस्मयउपि
व॥सुउउदिस्त्रउडूवंरुपुनययः॥मिउउडिउडिगीयपुपुय
येनिविउंवीरभउठदिहपमिदुइणीवैवभूउः॥नकमिमइवि
प्रतिपडिः॥पराउभमइयपदउंमउभूययवडूणीवहृदु॥न

51

इकवः॥ उमरुतंगं उयाभिममणीवभूमः मृणीकवतिउयुरुडेवभ
उडामिमडुतुदभीउममीमिडुमरारियंकगंति॥ ययल्लयउभूम
परिययेवप्यनीकुउयमनैः मरैल्लगेद्वियकिडुविषयभ्रवक
मडुकभकमभूमडुते॥ उतिभवणनः भवेणरसुडेउं॥ किंपरभ
भ्रगमकमनेयडुते॥ अपिउउयडुतेपवेति॥ भवेधभरठवभुकम
यडुभडुगीणविडुउडुउपगिडिनकमेडुडिभूममरारिययेवठ
भति॥ उपणिवडुकमेडुडिभुपगमभ्रगडुषमिडिमते॥ भदकम
भपिमिडुकमभ्रवठभकडुभते॥ सुकमठभंमिडुडुकभकम

भुद

मउमिदिभुंभः॥पपदरुवभुवभुप्रवकमरुवेभुभुनरुवः॥वमवेभु
गीभभहउप्रलवयभभुदुरपरभरंवहुवुडि॥अहुगिकुविषय
भापहुहुगप्रहोपेहुलडिमयेउडि॥रहुअदभउपपिडेवभुहु
वः॥मुहुउगहुगमिउपपिडेभुभुएलेउडिरिहमिहलिउमउउ॥
मिमेवभारीहुउमुकुभमिप्रपप्ररुवेरउडिमदरभयल्पि॥उहुकुम
उभंभमेयष॥उदभवंभभंसउमिहुभउउभहयभ॥प्रपदउमरुभभ
भीमभिठविष्टि॥यवेव्वरुहपेरमरुउभेरप्रकमरभ॥रेउरहुिप्रिमपि
मभवभेवभमेवम॥मिमइकहुउउरपरमेल्मुने॥मुहुउमपुभउर

मङ्गल्यञ्जितः श्रयमा ॥ श्रितः मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥
 लिङ्गं ह्ये मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥
 मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥
 मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥
 मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥
 मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥
 मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥
 मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥
 मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥
 मङ्गल्यञ्जितः मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥ मङ्गल्यञ्जितः ॥

श्रीः
 ३०

मपुनपु'ज मयदंदिममः ॥ उच्चकषंठवेउ मिहमृतिहइगुयहृष्टः ॥
 उतिरिहृष्टिदमृमिहः ॥ रवइद्वदणरिहृगयहृपरुपैठपुहिः
 किंरविगीयउ ॥ रगयहृः परंणप्रमिहृजेभ्रविहृमुहुनेएयमजउ
 विममृहृगत्रपपउरिडिकिमिडिगयशीमइमृपरकलेप्रषमम
 पदिपुंविदय ॥ उंकंउहृमिणल्लरगभकिमृकषडिमृग ॥ मउं ॥ पइ
 म्मिन्नपिमडिकष्टमिपिहृउरठवउ ॥ यपवइद्वदमृगयशीमृपुं
 पइउ ॥ मपवमृठगृविहृमपिउमृकउययैणयउ ॥ सुषचल्लदिम
 विमपमृरपुं ॥ परमपु ॥ उहुनपमृरककग ॥ उडिगयशीमृदृदगठ

श्री.
 ७७

पत्रे भद्रं पंवर वभुके मः॥ म न स्युः प्रिरे म किदि उं डिप्रोप विवमभा
उरदि प्रभं उं विउ रिउ मि रिप म य ग य ह ७ द॥ पंगर ए सुभ व मेम
लि म उ प म मेल रं पुष भं विण य॥ उ म न ए उ वे म मे भ उं उ म व ह व क कृ टं
प णि इ ग य शी भ उं वा इ प्र ग ह भ उं वि उं॥ उं वि उ रि उ ग ह॥ म भ उ मि
उ उ म प्र उ म उ ह म य म द म उः म उं म मि उः॥ य म उं॥ उ म उ ह गी प
उ रि उ इ यी म यी म प्र ल रि प्र प म म गी॥ सुं ह नि म ह रि प म रि प म
अ रि क मि उ रि डि जी य नि म उ ए रि॥ अ जी य नि मे व रि॥ उ ह ले क वु मः
म भु लि प्र न नि प म लि॥ मि कि डि उ रि ह उं जी पि म मि व म जि ये न

ਸਿਏਵੇਘਾਨਾਪੁਤੁਤੋਤਿ॥ ਭਯੀਮਯੀਤੁਤੋਰਧੰਮਭਯੁ॥ ਯਥਾ॥ ਕਲ੍ਹੰਮਕੁ
 ਏ॥ ਦਮਾਧਿਕੁਏ॥ ਮਾਧਿਕੁਏਸ ਤਤ੍ਵਿਕਮਭੇਨਾਇਪ੍ਰਗਮਭੁ॥ ਤਥੇਵੇਸੰਪਰਾਮੰਸੁ
 ਗੀਤ੍ਰਿਪ੍ਰਗੰਧਮਭੇਨਾਪਿਭਯੀਮਯੀਕੁਏਭਯਮਯੀਕੁਜਤੁਪ੍ਰਭੁਭਮਭੁਸਾਤਿ
 ਸਿਵਮਭੁਮਯੀਸ॥ ਸੁਭਪਿਤਸਿਭਗੁਭਮਵਸੋਮਿਭੁਤੋਮਾਧਿਕੁਏਭੁ॥ ਏਤੋਤੁ
 ਗੁਭਾਧਿਭਿਭੁਤੰਭਿਤੀਧਕੁਏ॥ ਤਤ੍ਵਗੁਭੁਚਕਮਿਭੁਤੋਮਾਧਿਕੁਏਤੁਤੁਭੀਧਕੁ
 ਏਸੋਵਮਭੁਤੁਗਮਤੰਵਲੁ॥ ਸੁਭਸੁਭਮਭੁਤੁਧੰਮਭਯਯਯੁ॥ ਪ੍ਰਥਮੰਧਿਯਕੁ
 ਪ੍ਰਕੰਮਭੁਤੁ॥ ਤਤ੍ਵਗੁਭਿਭਵੁ॥ ਤਤ੍ਵਗੁਭੁਪ੍ਰਭੁਪ੍ਰਭੁਪ੍ਰਭੁਪ੍ਰਭੁਪ੍ਰਭੁਪ੍ਰਭੁਪ੍ਰਭੁ
 ਤਿਤੁਰਾਮਿਤਿਲੇਕੁ॥ ਸੁਭਯਸਾਵਿਧੋਕੁਤਗੁ॥ ਸੁਭੁਵਿਕਲ੍ਹੰਮਵੇਸੁਦਯੁ

ਸ਼ੀ.
 ੩੩

प्रेणीनेभिभभउवः॥पद्मसम्पुल्लउरःषट्सिम्भरयःभ्र/उः॥प्रात्त्रि
भद्रयंरुद्रयंमैववृद्धयंरमउप्रयभा॥सुलिरापप्रात्त्रिऊकंन
प्रमदउउति॥मिकिद्रिउति॥सुवचयमभुलि॥रुगुवमंगकभभ
उमीति॥होतीपिहोतिःमभुलि॥वरदीरुदहो॥कभदवृद्रवएव
रभिरुउकर॥गुदलमीति॥मिवःप्रकमःमजि विभभ्रउयेंद
मभ्रभाष्टलक॥रुवति॥उतिभचःप्रपस्रःमिवमंजिभयंउति॥
पुनउरुमनककुरपरभभ्ररंदिप्रपेपिध्रुपितंमनुता॥यष॥मभ्र
उभिन्नउरपरंमभ्ररंहाएभ्रमे॥मदभ्रमभ्रकुउंउदिउिद्रमभ्रभा

३२

१५

मः शेषमंभरा ॥ शेषकृपयेउउरुवभवरदे ल ॥ कृमयउ ॥ मपवपर
 मसुरः कभदेरहिकमतिरुपुपुपीएउः ॥ उतिउवुद्रैवककरः ॥
 विशीभइप्रमभपमसुयेरिगे ॥ शिप्रियंवद्र ॥ इरुनपमेरयेयम
 ठिदिउं ॥ शरीयपमेउप्रमैकदेवलेरभरि ॥ मविभमं वुद्रैउं
 भेरुयुविहयंडकमकुपंविभमइकंउं कृकरप्रभु ॥ शिप्रिय
 मिउिपेटभेरउरुमकभपमयेरहृदं ॥ ॥ ॥ कदिविहउवगं यशीभ
 इमिप्रिवमजिभयपव ॥ मउविंसहृगपेहृयवदगीएगहृदि
 ननयशंकुमभं प्रहृयुशीलिङ्गनिद्रैमेनमजिउपहं ॥ भइहृम

श्री
 ॐ

३५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
उद्गमिष्ये पृथग्वाक्त्वा वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रीमद्भगवद्गीता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकाश्च पाण्डवाश्चैव ततः समासिताः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पुनश्च धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्री.

क करै व भं मे व दू दः॥ प्र ष भं मि द्ध भं मे व परि त्त मः॥ म क्क द्ध ~ प्र द्ध भं दि
न द्ध दू दः॥ म द्ध उ क्क र ~ य उ म च ए नी व भं पि स्त्री ठ ग व द्ध भं मे वे व भं
ति॥ व भं मे वे पि भं च इ व भं मि॥ म उ उ दि स उ उ च द्ध ए उ र य ~ मि अ॥
उ ठि उ ठि गी य म उ उः॥ प्र ष भं दि गी प ~ ठ ग व र क्क द्ध क्क र परि त्त मः
र भं री क्क रः॥ उ म्भ त्रि ज उः ए नी व भं री द द्ध रः॥ ए उ द्ध द्ध इ य द्ध रं ए क र उ
ठि ए क ग लि प भू यः कें ~॥ प्र ष भं कें ले व दि द्धि जी वे भं री जी वे द क्क
रः॥ उ ठि द्ध द्ध इ य म भं य व म कः ए क रः॥ ए उ मे वे उं द्ध र क्क रं ए॥ ए
क रं द्ध द्ध वी म ति चि स प ल न उ च र ति॥ उ द्ध द्धः उ म्भ उ द्ध यं म द्ध म उ उः

क र उ
/ अ

उच्चिद्वभमेव एभविउः भविउरं सउच्चदं चकं भवभविप्रालि एउ
 रं प्रभविउरभदसकं ॥ वरे एं मे प्रभदरं नः नगकं वलं डिके ॥
 गउ पं पकं वलं ॥ मेव एव भमेव भभविभवं एयभः ॥ मिद्वभमेव प
 रि एभं भमेव दृदसुगा एभवं मिउयभः ॥ रिठे पृषी विठजी कृम
 उषापि डिप्रैप निषउ ॥ प्रालिः भउ प्रभउ मे जिदभ डिप्रभु जिगद
 उयं डिप्रभु मे मगी भद उ कलिरी मे वी डिके ॥ मजिरे करं ॥ भद
 गेरठ गकरं ॥ प्रभउ ॥ उभमेकर पवग दउ ॥ वरे एं मे प्रं ठ एरी यभ
 रं गभभुदं ॥ उभमेकर ए मिउ इ पक दं ग दउ ॥ उडे वं वे मे डि ॥ पक

श्री
 ५१

रमभ्रविशी वंभपञ्चभरुहमहि ॥ पञ्चयवयुमं प्रषभंरोए ॥ १२ कं
प्ररंदिगीयमहि ॥ पञ्चकुञ्जापैठवेनमिडिउरोए ॥ दिगीयंप्रंमगीरंइ
गीयंमगीरंडइगीयंरंभरुगप्रषभंरुहअपैठगभिलिउ ॥ पवंप्रगइ
यभयीपरभंमगीइक ॥ मडि ॥ भदज्जलिनीभववर ॥ कुप ॥ कु
कलकम ॥ मगीरभलंज्जलिनीरभरडी ॥ उयंभंरुगाएपिडिप्रम
जीरोएइयकुपडिवलयकुप ॥ बलंइयमेलनं ॥ पउति ॥ रंरुज्जलिनी
मवभुकेऊ ॥ उडिगेउ ॥ म ॥ यैगिभउप्रषभंभंफुद्रंरठरपउउ ॥ क
रुभ्रंरंभप्रमः उउपकरडीभवरीडीरभण्डुउभवप्रलिइ

धुवभित्तु अइवे प्रतिके ॥ ठें करलिधिरगर ऊतलवडभमं सीव शाल
वडमल्लुनतिप्रभपुठरागइडलु अरवसिन्नभदविमं भवभनऊभ
लकगतिप्रति ॥ उष्टु अउरेपियापू ॥ वयमजि सुलनतिभ्रवभदय
रुदेउकुतभापिऊकुलकर उवऊ कलिरीर ॥ उभित्तु उइउ ॥ सुणगरेय
येरठे मेपमगाउ ॥ अहुप्रभइरुमयभित्तुप्रनपष्टुप्रभइइप्रउ ॥ अ
हुप्रभइः प्रहपउतिइउः ॥ उहुपिदलभप्रळठिणरपरइयभं
पू ॥ अमजिः ऊ कलिरीरभा ॥ पूतीतिकभतेउयापू ॥ मउमयिरी ॥ उहु
मैमकउमरदवरदरावरीमिदिभममजिभ्रभदऊ कलिरीकुल

सुः
३३

ਖਛ ਕਮਾਇ ਪਰਭੁ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਪੜ੍ਹ ਪਰਭੁ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥
ਪਰਭੁ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਕਦ ਪਰਭੁ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥
ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਪਤਿ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥
ਪਰਿਵਰਤਿ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਪਰਿਵਰਤਿ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥
ਰਮਣੀ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਰਮਣੀ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥
ਪੁਰਖ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਪੁਰਖ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥
ਸ੍ਰੀ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਸ੍ਰੀ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥
ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥ ਭਯੰਕਰ ਤੰ ਮਰੀ ਮ॥

गुरु विमल चंद्र डिपे चाल ॥ अरुं उं मं भद्रैः भव भवे वं डिपु डि ॥ उ
 भु प्रहृते उभि कं मली कं म कं भले ॥ य व उ म जिः कं डि वी ल्य वि
 विल भद्र डिः ॥ भिं ऊ ऊ डलि नी र भ ऊ डल क व वु दिनी ॥ प्र लि रः प
 भ म डिः भ व म डि ए व प्र म ॥ अ रि मं रिः सु भिं प ऊ पि उ व उ ए ड भि
 भं डि उं वी उ उ भ पी भद्र म रं दे उ उं ग उ डि ॥ उं क प उ उ रं ग य शी प
 य य उं प वि उ ॥ अ प्र र ड डी य प मं म म मि व मि की ए उ व डि भं च
 प म क डल ह ~ प्र भ भ ऊ ए भि उ रं ल डी भ दि उ डि डी य ड डी य ऊ ए
 क रं उ र भ दे की क रि ए प्र भं उ डू क डू र रि य डि कं ~ वि उ रं व डू क

॥ भ० द॥ गंले तिगी राइ ये राप वं विं पं रिक्के ॥ इचं ऊपे रिप्रम जिठ गं क
ये निची द प्रहो पम प हउ ॥ वी दंत श्रुतै प्रहृष्टे यंक द विषये मरा एभे
सुदं ॥ अजुत कउ भकउ भटष कउं लील विरम मभ भं कमे म्मगी रि
रठ गठ गव कमे म्मरः प्रविम जि ॥ अ यंक मे म्मद म्म वउं र व म्म मे व पिग य
जि ॥ भभये रिम द द्रु द्रु उभि न्नं म्म भु दामि जि ॥ भद द्रु द्रु भदगी विभ
मम जि रिक्के ॥ उंप उभि न्ने करे रिक्के ॥ म्म दामि म्म मिह ॥ मिह दं म्म
भी उजः ॥ रिण क वठ वर उर मर उं प्रहृष्टे मि विषय क व पडु उ विषये म्मद
जि म्म ये उ तिगी करे एउ ॥ रं कर रं म रं प म्मद मि जि य वउ ॥ रं म रा ए रं र

प. ल. ले. क. ग. ले. पि. ध. म. ड. म. प. र. मे. म. द. वि. मि. प्र. व. द. वि. प. म. भ. कु. ठ. ले. के.
पि. ये. र. वी. द. प्र. के. पे. ग. के. ड. डि. व. य. उ. ड. द. पि. मु. म. स. रि. प. ध. व. छे. य. म. य.
ड. ड. प. म. म. उ. व. उ. वि. ध. ये. म. र. वि. नी. ल. पी. उ. प. ए. प. ए. उ. ए. व. ए. उ. ड. गु. रि. नि.
मी. ग. ग. र. मी. र. ग. क. म. नी. य. रं. म. म. मि. व. मि. म. यं. म. ड. के. म. प. द. ले. म. रे. न.
मं. म. ठ. वि. ण. र. मा. म. ग्रे. म. या. प्र. द. ड. म. व. पि. म. लि. र. म. ने. म. र. ते. म. ड. मि. वि.
ध. य. उ. वि. ध. म. ड. डि. डे. क. कि. छि. छु. र. कि. छि. क. र. वि. भु. रं. मे. ए. कु. ए. डे.
र. म. मं. वि. ड. म. मु. ड. म. ने. रं. म. र. वि. भु. रं. मु. ड. कु. प. दे. न. म. य. म. ने. रं. म. र. वि.
भु. रं. म. लि. र. कु. प. दे. न. य. ड. कुं. ड. र. ल. वे. रं. क. ग. वि. म. क. डी. यं. म. य. ड. द. मि. क.

प्रिये ॐ ॥ भव ह्ये इ पी ० जी ऊ क न र व न प वि वी ग इ द्रि कं भ द भ य प
 इ ग इ ए उं प ष भ ऊ ए ल क र ग ॥ य रु उं ह्म र ल्म र ॥ ल क र ग इ वि वी मे वी
 भ मे ल व र क न र ॥ प ह्म म यी ० भं प त्र भ व जी ऊ भ यी प र ॥ भ व ग इ भ य
 भ व ह्ये इ ऊ र भ यी मि रे ॐ ॥ ल क र उ द उ रु व म कः सु रु ऊ भि व म क
 म सु रु वि भ न म रु भ व भ य वी र र द ॥ ह्रीं ॐ ॥ म इ ह्म भ व द्रि मी ऊ र
 र व रु वि रु भ भ म य ऊ पः ह्रीं क र ॥ म ह्म य भ ऊ ॥ भ वि भ न ॥ उ द क र
 ~ प्र क म उ क मि व भ भ नं प र भ क म म यि उं ॥ रे ह्म ~ प र प्र ह्म म उ ए
 म य इ रं क र ~ सु रु सु रु उ प उ य भ व क इ भ र म इ ~ भ व यै रि उं

उर

श्री.

उरइभायप्रदहंमंयइमेववैपयति॥भयपंमिमदभयमुद्रवि
हंतिगीयतेउडकंदिउयउणपपरिवडि॥हंकरंलंहीउतिमि
दु॥प्रषमक्राएविमसः॥॥॥रप्रषमहीवीएमुउयदेहउ॥मएभम
रभयःपरकैतिप्रयउतिमंउ॥उमुते॥मरकुइरणरेरडिकसाभुमु
निलयभा॥हिल्लेउंरिपराउपभइककउवाभिरुग॥हीकरमुइमस
र॥भउरुजभा॥प्रकंसडाविपरभमिवदसायंपराउपि॥विमसड
विमजिदसयंपरापराउपि॥अणरणयंरामसायंअपराउपि
॥॥रमजिमिवपरमुइपराएभदसजिभुसुमरुदुरकमुभुभु

कुपवर विण विनी ॥ मपरे ॥ पोरपरे ॥ पोर ॥ मकुपरे ॥ ऊ
 इयकुपणरि ॥ इद्रविद्रुमदेसुरलक्ष ॥ कर ॥ इयंमदि ॥ प्रिग
 दपडवंदरीयलक्ष ॥ वक्रिइयंपठवेद्रुमभइलक्ष ॥ मजिइयं ॥ उर
 उरमउमउलक्ष ॥ मरइयंठवठवठिठवाएलैकइयं ॥ भदभउ
 मउचिमइदरकुप ॥ इयं ॥ कुउकममिउकममिउकममकुकापइ
 यं ॥ गइमभरभरमइद्रुकं शिवे ॥ एलइयं ॥ कयिकवमिकभर
 भिकलक्ष ॥ उपभयं ॥ भरेवइद्रुदइद्रुकमउकर ॥ इयंविमउए
 प्रल्ललक्ष ॥ एरीइयं ॥ उकरभकरमकरलक्ष ॥ वल्लइयंप्र

श्री
 ३३



श्री.
३३

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

पवमिडिलहं रं हं विमू निं उं॥ यमत्रयदवमं चरमे श्वरे डिहप
मेमैलेके ए डिभगभज॥ रंम रमे श्वदंम जिः भभह मिह रं उरभी
सररुव शरी श्वरं प्रभणे उ॥ ऊतः परमे श्वदं श्व विभम्वरले हं गठ
वरं हं मि डिः पर॥ श्वरुषाणि ग डिभुभ्र त्रिविभं रं मिक्क ठ॥ एवं
भम मिरे श्वरमं यं भए भयं भपि श्वदं भिमं भे डिभमपु उतल
पएटये र विभम्वरं यम मि॥ मिवरं श्वरं भभु उतम पिउम लिक्क रं
रं श्वीठपुरिकयं कं भकल य उभे रं उं॥ परं उभम मिवडुपे उम
भं मे हं ए श्वदं भिम मि डि उक्क प्रणुते दं भं मं प्रभल हं उ॥

प्रमुदुदं राकि छिगं ॥ रं सुगराषे पिमुदमं मं ए भलः सुदभिंमभिउ
 उमंठगं पवदंठगं रिषिछरगं ॥ भालिउमं इपिनकिछिछिम
 मरणीभदमुगं ॥ रिहेश्वरप्रभं इममयं उयउयु मिवरसुय
 भुउंठिन्नवेहपमं रुमचंममभि ॥ उषा पिमुदुमिमं इगं दोउदंठ
 वरुवरं उरगं उमं पदुउमं ॥ येनउं प्रहउं मीयउ पलभः भुगं ॥
 यष्टउषा परमं सुगदं रुकराणु प्रमयिरीमिवभं भिर्नोविभममजि
 रेव ॥ सुदुविहयं उमुदभिदभेरेकइवरुभं किछिमलिउं ॥
 उतिप्रभं इवने नवषा सुदुइमं ॥ रभः ॥ मिवरसुयि एउराउंउ

श्री
 ३५

दिः भिः ॥ मेदर दामं भं कं डे भं मे द्वि य मी च कं भ ॥ रु सु र्ग उठ
वउ इ च की य र वण र उः ॥ भ य प र व मे ए उः ऊ प भ म भ उ ठि कः ॥
ए ल ल ल विल मे र भि ए भ ल ग उ भ द ॥ भ र ले ह र क य वं ड
ए उ भ र द म ॥ भ उ पं स म व उ इ रि वि भ मः प रि रु भ र ॥ उ उ भ
उ वि दी र गू ज ल ए उि ए र म य ॥ ए र म मे म उ मु रि म द रु रि
॥ प र ॥ भ क य मं जि भ र डं म मि व भु र भ रि उः ॥ भ वि भ म म
भ उि प डी व उ उ उः म उ ॥ भ म म भि भ मे र भ म जि र ल मं ड यः
भ दी उ य र र डे व क भ प व उ मि वे ॥ वि र व म म म मि क रि

一

एष्टमः ॥ उरूपमंभयकु एरिलयकु भवभः पवविणव
भदापेलनंपरिभिउ प्रमंक्रम संयभझी करेति॥ अदभिमंभचंएरभि.
करेभिउतिप्रलदउ विमसंमहणति त्रैठवति॥ भभउ श्रीदउपरि
छिन्नमेदविसेधउः प्रवेसंमसंयं दभउडेवंनिभमठवति॥ अकरं
विन्दविभनं एरभि करेभिभवभिउदरं एमविभ्ररं अउ॥
दुप्रपरिभं एमंयभिउ प्ररुधं वभुहुपगभनेप्र एम सुविउम
दयत्रेणगीहमयकभलद्वयमजिउपे कम्भुनभुजं कलिनी
भलणरं कम्भुमं तुंय वद्वइयधल कलिकं भुभएतुरद्वकुउ॥

प्रलभ्यतु इकं ~ रभल गो ~ रदिरङ्ग इतु ठि ववे ह प्रष इकं भ
 यी चभल मुठ मुठ वभन इकं कं भभल पमिउ भ इ विदं मरा पभं
 विमण ति॥ दभउ हउ॥ उक्क मेदः विच्च मेमः अदंमः मेदं व उडिण
 पडिउ भि वपिम डि स ~ विमच इ एरं॥ विहयं ह प्र विहयं
 भमउं रण दभु दे उ विमद रुऊ एर द उ भु व र डर विह विमच ह
 दे ह लिः॥ उद पि दि विमच र ग्ली उं मे व उ॥ परं उ उ रै र र द करे ~
 अदउ पप्र ~ पर भच म करे ~ म इ उ प प्र भचः॥ अ इ ह भि प्र क
 म विमच म ड द क र हारे प्र क म म ड म कर हारे विमच म ड प्र क

मविभजेमिवंसर्ज॥ उरुपंदमतिवल्कल्य॥ उषमादिप्रपनि
धग॥ उमेवंमिवंसर्जकभवेदितं॥ मिवेयंपरमंमेवंमजिरोष
उणीवउ॥ अदमदुभमेदंगदुंमभुयदभभुतेउति॥ मिवेदक
रःणीवउभकरः प्रत्यपंरमभुवदुंमउतिदंभएपवल्कल्येपि
उयमप्रकमविभजभुभभुतेउउउ॥ पउः एपएपापिकर
भदकउतिकंकरः प्रः दभद्वरद्वयस्यउउउः॥ उरुमेति
मुमेदिप्रपमः मेउउअतुरएपझीकरत्यं प्रइनंपति
उः॥ प्रमविशुलपतिउ पउअहयउप्रः मप्रमुदव

वं प्रं ७ ह मि सु ३ ॥ ये ३ ॥ द कर ग ग नं व द्ध भं ह नु रं म भ क र ए णी
 व व न ठ वे र ए णी व व नै पि व द्ध वि णः दे व डि द द्ग मि के मे न द्ध भं ति
 द्ध य भं व णि क र ॥ भं णे य स्र म भु उः सु कं म म गी रं व द्ध उ मे व वि भु
 द्ध य भु उ द्ध उ द्ध य भु उ ह मि सु ३ ॥ भं य ग्द ॥ ए ति उ द्ध र उ ठ
 वे र प न्दु पे स उः ७ द्ध भं य तिः प न्दु प रं य उ ७ डि सु ३ ॥ मे उ ह
 ॥ व ॥ ए णी व व न थ ठ व र द्ध ग प सु ठ व द्धी क र ॥ भं उ उ उ द्ध ॥ ८
 प र भं य द्ध उ उ द्ध उ द्ध ए म भ्द म रं भ दे स ॥ दे वी भं य म तिः ॥ अ व
 ॥ मि व थ उ ॥ मि ति व म र उ ॥ न न मि न्द व थ प सु ठ व पि मे व ति

श्रीः
 ३३

दग मिषणी वर जे प्रपरा मर मंक भक भु मित्रि मे धो भिरं सर झर क
लीलिया भउ ॥ भवे धं उ च मित्रि मे उ ॥ भवे भ ॥ म ग र द भु प
मि भ ॥ मि भु म भ व मे दे प्र वि मे प र भि उ र मि उ ॥ भ उ भ उ म यं भ वं क
व य के र वं ठ वं मि उ ॥ य भु भि रं प म ॥ उ क झ रं व रि य व मे द वि मे
ध प्र व म भु र द रण प रण पे व ॥ क म रू प ले ठ मे द भ र द द मि मे भ म
भे व भ म म मि व र पं भु र उ रि भि की ए मं म भ ध क प उ क प र उं म
भु म प ॥ ॥ र इ क भि क रं भि ॥ व भ मे वः भ वं ॥ भ वि भ व भि मं प उं म
इ म ग ल उ व ॥ ये मे व भ डि क ठ व र रण भ भु भ भ भु य ॥ भ उ प व उ

उ वि द्वि उ ह मि उ प रि ध अ ए द प्र त्त मं र म ॥ पि ॥ किं ये र मि व ड्डे उ
 वि भ्र म ॥ ऊ न प ॥ य इ द्र मी र मि क्क ल्ल र रि य भ्म डि उ प य वि ड्डे क
 ल ड्डे ग पि पि पी लि क मी र भ पि उ ड्डे उ क्कि व भ यं वि स्रं वि भ म ॥ ये न ठ व
 की उ ठ ड्डे क वे ग ॥ इ द्र भ द र भ य ॥ ए उ मे व भ द्र ड्डे क प मि पुं य व
 इ द्र वि द्वि ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क
 व क व य उ डि ॥ ऊ उ प उ ॥ मि डि मे ग ॥ य उ ॥ ये वं मि ड्डे क ग र कं ग ड्डे क
 ल ड्डे क ड्डे क ड्डे क ॥ ए ग वि व र कं म भ्म मे व मि ड्डे क ए कं म र ड्डे क डि उ ड्डे क ड्डे क
 मे दे दि य मि ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क
 मे व मी र ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क ड्डे क

श्री
 ७७

श्रियां ॥ भट्टं पञ्चि वं मरी गोश्रियमिकं ॥ पद्धिं वयवभवं मरी
श्रियां पित्तमं च न ग ॥ न ग ॥ पद्धिं विमिवारं भदभूटं कविं सति ॥ दं
भदं भोति दं भोति एणीव ए पति रिट्मं उतिरयेन ॥ मेदद विमं भेद मि
ति एल्द तिउदि किं कुत भं ॥ येन यं प्रभं उभं भं इभं कं इभं ॥ भवइ
भेद मि ति वि भं च भं लठ्ठ मि ति मे ग ॥ स्रुय मि एरी धं भं च इभं वम
मित्रं वः परं भं च गे वि मे धं वं भं ति ॥ उडे उ वं च इभं वं उदि प्रमी न वं
वि ए ए मं भं च लि उ नं च गु नं भं वि कं वं भं च उ वं भं भी पं भं उ भं ति ॥ प
इ मि ॥ ७ ॥ कं उं उं भं वं ये वं मि वि सुं उं भं उं नं एं एं नं मि कं भं उं

यद्गङ्गाभध्वरुभरिः॥ यमिमेदं पषत्तुहमिउविमृष्टिधूमि॥ प्र
 रैवभापीमउररुभर्जकविष्टमि॥ उषा॥ प्रयमेवदिउररुः॥ भमपिम
 नतिधूमिभिः॥ पतेरिउरुहैपमेमभुगीवउरभुउइमेवमजिपःउवि
 मुद्रुहमेयप्रविमृष्टिलकते॥ रइतेप्रभर्जमभुउरभगुदपःइप्र॥ उवि
 पयेदिदिष्टयंष्टप्रविष्टयमिष्टमिभदरदमेपमेमभप्रविमजि॥
 प्रवक्तुमभवाउ॥ भमपिकरिठिवहभलप्रवमंरप्रपष्टेप्रठरवम
 कदः॥ यषमुद्रुहउहः॥ मुउहैभउहैरिमिष्टमभउहः॥ उषा॥ यमुन
 वेमकिभमकविष्टि॥ यउदउविष्टुमभमभमउउविमभुनभवकि

श्री.
 २.

मु

五

भ्रिङ्गिं नल नउ॥ यद्गुं भपि डिगो नमजिः भुडिङ्ग रगुनठिः॥ यद्गुं भि
राय कयां पिकलनय विभ्रद निहै कल द्रुल्ल नमर भठि वेमवमउः
भ्रङ्ग पिमेमउगे॥ भ्रं भ्रभ परमभनग लेवेवेयवेयैरपि प्रयः कः
प्रपरापापरभयीमजि ललयहै भगीडति॥ भरेल भकडभमभइका
नद॥ लडतिलकरः एडुभा॥ एडडवमभुतः पसुठवदिडंजः॥ भदम
द्रपमद्रयेपिकु एडयजुः॥ उडुववकुतः भ्रिङ्गिभ्रद नैवेणैकं प्रक
मः सुडुं भ्रिभयं मिमम यंडहवदरै श्रीडवनववउभरैदववैरु
विणयीभडुडुडिङ्गुवत्रपि॥ पीभदिपियल्लनेनदंभराएनपिभायिभ



इतीयपदम्

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ॐ कः श्री श्री लीं छे पें ॐ तिनी ए रं भ ए यं डे कं नी एं इ ऊ ए मं मी य
 उ उ म इ ऊ एः भ क लः पे र म ल क व ती ति उ म म य ल डी क
 भ व श्री शे क उ म भ प प छ म मी वि द य कि मि ति ५ व पे र मी प व
 सु म उ उ ति मं मं मं दि उ प छ भु व मि र उ रं रं म व व रं उं क दि
 वि ड यं रं मं मं मं दि उ यं दि ल य रं मं मं मं नि रं उं मं मं मं मं मं
 उ ति मं मं प प व प व रं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं
 क म य ती मि रं क एः मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं मं
 मं

श्री
 ७७

केमरुभेष्टवयवः॥ कपरंलक्षी दभकदलक्षी भकलक्षी ॐ ॐ ॐ
 केपुष्टः रुभः॥ कलक्षी ॐ ॐ ॐ प्रष्टः॥ दभकलक्षी॥ दभकदलक्षी
 ॐ ॐ ॐ प्रष्टः॥ कदपरंलक्षी॥ दकपरंलक्षी॥ भदकपरंलक्षी
 ॐ ॐ ॐ रुभः॥ ॐ ॐ ॐ कलक्षी ॐ ॐ ॐ रुभः॥ यभिरुभेष्टवयवः
 विवरं ॐ ॐ ॐ मपवद्वचभेष्टवयवः प्रष्टः॥ ॐ ॐ ॐ रुभः॥ विवरं ॐ ॐ ॐ
 यद्वच॥ विवरं ॐ ॐ ॐ रुभः॥ प्रष्टः॥ ॐ ॐ ॐ रुभः॥ विवरं ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ रुभः॥ ॐ ॐ ॐ रुभः॥ गल्लमवद्वचभेष्टवयवः प्रष्टः॥ ॐ ॐ ॐ रुभः॥ विवरं ॐ ॐ ॐ
 मीमसिष्ठः॥ यवः॥ रिक्तं विवेकेन भपष्टभुवी विवरं भभिः॥ ॐ

श्रीः
 २५

ह्रीं कं करो ॐ वं हृ एं ॐ ॥ ग ॐ मः ग ॐ श्री ॥ भदमेवः उ न भ करे ॥
लह ॐ ॥ वद्व भन उ पें द रिः उ न भ करे लह ॐ ॥ कं कर धृ द्र व द्र ॥
उ न उ करे लहः ॥ उ न भ करे करे कर म भ द य उं करः उ न भ उ उ उ उ उः
उ ष र उ भ द यः कं भः कं भ री एं कं करः उ न वि उ उ उ मि ॥ भृ म भृ उ
उ उ नि उ मे न भ भृ व र द ॥ भृ मे न रै वे प्र करे ॥ उ उ भ मि उं ॥ य द उं
शृ द र द ॥ ॥ रि म लं हं भ भृ मं भृ द्र द्र उं प र मि उं उ उ उ ॥ न
म द्र द्र उ उ म उि उ उ उ उ उः प्र ए य उ ॥ वि उ उ ए य उ उ ए वी वी व
म द्र द्र ए य उ ॥ म द्र द्र ए य उ उ ए म ए म म भृ वः ॥ म द्र द्र ए य

उविष्क विष्क वृद्ध प्रस्यता वृद्ध ल एयउ मचं एगङ्गुवर एङ्गुमभि
 ति॥ उगल्लु वल्लु उगल्लु मपिवमक वृ न्रियमिउ॥ उँकप्रप्रपु
 कृमि विहृय न्रियमैरमिहृति॥ उँतिमेउ॥ नृपुयमेदिमङ्गु वृ
 धेनमीपङ्गु ठिदिउ॥ निम्नमेदं विहृपमपु॥ उँकरवमकउय निम्न
 मङ्गुष॥ कभैयैनिः कभल वयुप लिनुददममउ निम्नरुमिहृ
 पननुदमकलमययमप्रकुष्टेध विम्नमउमि विहृ॥ उँतिहिप्र
 मृ॥ पविपुमि॥ कभः कयैनि॥ कभलगं॥ वयुप लिनुकर॥ उदङ्गीद
 मदममउ निम्नक॥ मृहृदुपकलः मकरककरनकर॥ मयङ्गी

उँदल

पधकभकल विष्टपंछमंमाल प्रकुमीवद्रविणभती विन्नभउम
कलएरनीपेदमरुगीठवति कषमिहइदेउगठं विमेषमभद
यउः सुमि विष्ट सुमैकमिप्रमंविष्टवेरनउपविद्रगठः छे
करतीएयष्टभउमि विष्ट विष्टनीए छेकरभमैयइउरु
पवपेदमीठवगीहउः नवविष्टमयष्टकषमैरुवयमकव
तिमैउ मयवेमवमनंदि विष्टमवेमनंमं विडिगिहउः वेमनंम
विद्रमकं विद्रउपवेरुः अविठगनवेमनंविद्रः वेमनविद्र
उपमिहउइउ अविठगवेमनमयेविद्रः मपवउइकः छेकर

佛

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ उद्देव वा ॥ उद्देविठ गवेमन इक विन्दु पुं क
मय्येष्टं भूलभ इइय इकं यद्विठ गल्लं ॥ उक्क गष्टे मय एयु दु
इ इ इकं ॥ सक गष्टे य एयु प्रकुदे विक्कु पुं भक गष्टे भ भग फ वि
इ भल्ले क ग इ इकं यद्विस्व भय के म प्रषं ॥ उं क गष्टे ॥ उ विस्व भ
य इ इ व म क इ ठि प्र ये ॥ ग निठ क ग मि व लं विठ ग वेमनं विस्व
डी ल भाप रं इ इ पि रं एय डि प्र ॥ व ॥ भ भ भु अप इ मि इ पुं लं क
य क ग इ ग इ क य रं एय डि ॥ उ डि विठ ग वेमन इ विन्दु ल ह
॥ न रं उं क गष्टे य मि भ भ इः भूल भु ठि विस्व भय मि इ म क इ उ

ਮੁਮੇਤੁ ਤਿ॥ ਵਿਸ਼ੇਤੀਲੰਤ ਕਿੰਤੁ ਪਾਠਿ ਮੁਕਤਿ ਚਿਤਿ ॥ ੭ ਤਿਸੇਤਾ॥ ਸੁਰਮਾ
 ਲਕਾਨੁ ਰਮਥੇ ~ ਸੁਮੇਰ ਵਿਸ਼ਤੁ ਪੇ ~ ਤੁਰੁ ਪਪੁਤਿ ਪਾਸੁ ਮਿਤਿ ਰੁਮੁ
 ਪਤਮੇਵ ਵਿਰਗਾ ਵੇਸੁ ਮੁਕਤਿ ਵਿਸ਼ਾਇ ਮੇਲੁ ਰਮੁਤੁ ਤਿਕੰਤੁ ਪੰ ੭ ਤੇਤਾ ਮਾਠਿ
 ਪ੍ਰਯੇ ~ ਸ਼ੀਰਗਾ ਵਰਦਾ॥ ੮ ਤੁਰੁ ਮਿਤਿ ਵਿਸ਼ੇ ਸੇਵੁ ਮੁ ~ ਮਿਤਿ ਵਿਧਿ ਮੁ/ਤਾ
 ੭ ਤਿਵੁ ਮੁਕਤਿ ਮਕਤੁ ਤੇਤੁ ਪ੍ਰ ~ ਵਰੁ ਠਲਿਤਾ॥ ਮੁਲ ਪਪੁਤਿ ਪਾਠਿ ਤਿਸੇਤੁ
 ਮਕਤੁ ਰਮੁ ਵਰੁ ਤੇਤੁ॥ ਮੁਲ ਪਪੁਤਿ ਪਾਠਿ ਤਿਸੇਤੁ ਮਕਤੁ ਰਮੁ ਤੇਤੁ॥ ਮੁਲ ਮੁ
 ਕਤੁ ਪਰਗਾਧੇ ਤੇਤੁ ਮਕਤੁ ਮਕਤੁ ਪਾਠਿ ਤਿਸੇਤੁ ਮਕਤੁ ਰਮੁ ਵਰੁ ਤੇਤੁ॥ ਮੁਲ
 ਮੁਲ ਪਪੁਤਿ ਮਕਤੁ ਰਮੁ ਮਕਤੁ ਮਕਤੁ ਗੈਰੁ ਤੇਤੁ ਕੇਵਲ ਮੇਤੁ ਮਕਤੁ ਰਮੁ

ਸ਼ੀ
 ੮

ਸੀ:

ਸ੍ਰੀ ਚੰਮਚ ਨਗਤਤ ਕੋਪਦਿਤੰ ਸੋਤਤੁ ਮਰਮਾ ਭਵਾ ਭਵਾ ॥ ਤਤੁ ਸਪਿ
ਪਿਤਗੋਰਾ ਸਿਮ੍ਹੰ ਲਹੰ ॥ ਪਵੰਸਤਲ ਮੇਕ ਸ੍ਵਯੰ ਕੰਪਿਤਲੰ
ਸ੍ਰੀ ਚੰਮਚ ਭਵਾ ॥ ਤੇਕ ਗਤੁ ਤਤਿ ਮਿਤੁ ਮਾ ॥ ਸਪਿਮਾ ॥ ਵੇਦੰ ਵਿਦੁਰੰ
ਤਤਿ ਪਦਯਮਾ ਭਵਾ ਭਵਾ ਭਵਾ ਤਤਿ ਵਿਦੁਰੰ ਵਿਦੁਰੰ
ਯਨ ਮੇਵ ਤਤੁ ਭਵਾ ਭਵਾ ਤਤਿ ਮਿਤੁ ਮਾ ॥ ਮਤੰ ॥ ਭਵਾ ਪਿਮਚ ਪ੍ਰਪੰਸਤੁ
ਤਤੰ ਮੇਵ ਯਨ ਮੇਵ ॥ ਤਤੁ ਪਿਤੁ ਭਵਾ ਮਕ ਤਤਿ ਵਿਦੁਰੰ ਮੇਵ ਮੇਵ ਮੇਵ
ਕੰ ਮੇਵ ਤਤੰ ਭਵਾ ਤਤੰ ਭਵਾ ਤਤਿ ॥ ਤਤੁ ਭਵਾ ਤਤੰ ਮੇਵ ਮੇਵ ॥ ਮੇਵ ਯਨ ਮੇਵ
ਸ੍ਰੀ ਚੰਮਚ ਮਿਤਿ ॥ ਤਤੁ ਮਪਿ ਮਕ ਮਾ ਭਵਾ ਭਵਾ ॥ ਤਤੁ ਭਵਾ ਮਕ ਮਾ

क उ म उ प मु उ ति ल्ल र भ इ वि म् उ म रु व ॥ क य मि उ श्रिय म्
 क उ मं वे य न म पि य ष क ष छि म न भी य उ ॥ मं वे उ म न रु वि उ ।
 ल्ल श ल ह ॥ ति हः प र म म् न क य मि म पि न्नि ह्ने उ ॥ उ इ ल्ल रं म उ मि ह्ने
 श्रिय क यं मि उ म जी ॥ प रै र धु प ल ह्ने उ उ य उ ल्ल र म् ह्ने उ उ ह्ने उ
 वि ल्ल उ रं म रै के र वि र् री य मि ति ल्ल रं म ह्ने उ रं वि म् उ ॥ म ह्ने उ म वि
 ल्ल उ री उ उ कि प्र य नै ण कः प्र व उ न म् म नः ॥ ५ ॥ वे च च म इ उ उ
 ॥ के म द उ प्र र ॥ इ म् क म पि न्नि ह्ने उ उ य न य म् ॥ वे च म उ ति ह्ने
 उ ॥ म र म् उ उ इ क र पि इ म् च म क ह्ने म म ह्ने उ प रि व म् ति ॥ य

श्री-
 ७

ष॥ इयीति मेवाडी भिडुवन भवे शीर पिश्रग्न कुराडे चले भिडि र
कुराडी ल विजु ति॥ उगी यंते ए भ स नि ति र ति न व र भ ग ति भ
भ भुं ह भुं वं मर ~ मर ~ त्र हे मि ति प म मि ति॥ र द ह म भु व पि॥
भ वे क ल क ~ प म भु व र भ द र ए भ पे ह॥ उं क र तु प भ वे म र ह पी
० उ या ति के मः न उः क र पि भ द र ए मि र दि पी ० भ र ह उ र उ व
उ उं उ उ॥ य र द डं क भ ल भ मि उं उ ह य क लिक ए ये नि भुं ह॥
भि वि ण भ म रे य ड म क र पी ० भ॥ उ भि व उः क म क र न उं क र ली
उ र व डं ह भ क रं भ क ल ए रं गी भ र उं क व य भ उ ति॥ र न प

सू:

सुभुष्टंभकरकंकिरभभमयः पूवः पुतिपमिउः॥ बुद्रादसुपिठ
षाविशेसाग॥ सटइउइमिद्युषमभकरः॥ उउउकरः॥ उउभकरः॥
किंभगंठेन विशेसाउतिमेउ॥ उउउ॥ पसराइअंउकरभकरसकर
उपक्रमंउसराउपुः॥ उमिपितमकुलपुपविणउयंबुद्रउपंपुद्र
अवुदमसंभलसु॥ उषभकरउपनमृकभनिमृवुदभकरउम
मभलसुपराप्रतिउपमिदुभमवमयएमुपेयवमउमुमउवल
कउठरगदअरभभभयेउंमइउः॥ उमसलमिति॥ मैवानंभ
उदिउमभलमितिभुमे॥ पसीउइप्रतिउइपिपुअकुउयैव

श्रीः

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ॐ कृष्णि॥ कपलमीनिपल्लवमीवल्गुपल्लवकृष्णयस्वकु
 पा॥ मयउउप्रमभवेउठवति॥ मधुमीभापिमधुउठिवति॥
 मयवठगवावेमीधुमीकुपेठवति॥ मुद्रुप्रगगरवयवदिम
 लिलपविरीद्वियभनेत्रीदउपेभइकअलेकरभकुपाएवेदम
 कलप्ररुधकुपमयइकेठवति॥ देवीदेधुप्रमयीमभमयदगउ
 वेदगवग॥ वेदमदुगीकुपेठविष्णुः सज्जिकुपेठमप्रितभा॥ उठिवि
 मयइतिगयप्रयठमेनपरमसिववद्वडेधंपरमदमभमभु
 मलेलीठवीमिप्रप्रमलंमदुदुउठियावग॥ उठमचंदकव

श्री
 ५३

मरिचगरेदेवीप्रतिभदमेववमनं॥भमीयवङ्गङ्गुतमैउतैविष्क
इङ्ग॥येदिनरयः॥मङ्गमजिःमजिमउमम॥उतःप्रहृतिविष्ट
उङ्गपङ्गयमिमम॥मचरगीचुरङ्गुपमचंदरिदरंवपः॥मउमम
रिहइंमरुकेषदरेनउमिजि॥ममरविष्कमयहृतिविष्ट
गविष्कगिरीदेवीउमउतङ्गुतिप्रहृतिइम॥विष्कमउपेवमदम
यमजिः॥गल्लीरुङ्गिकउङ्गउङ्गयमवमीरुगवकगवउममय
वपयति॥ममिष्टतिमरुष्टमचकमवरचुरीम॥प्रपपयवलि
रुमचकमवरप्रमम॥ममयेयनिकुचतिमुररिमरुडवि॥मन

तिरुक्कलीति विणयवैक्कवीतिमा॥ कुभममादि कुल्लुभपवीकु
उक्केतिमा॥ भयरायलीमैल्लमरमेडविकेतिमाति॥ नभविदि
ममहहहति॥ अरिगल्लमभकुल्लुभल्लुपेदमीयभमीनिप्रवि
मूनिहिकुएप्रमरुवैयष॥ मंदितयं॥ इप्रमहमभभुकेरवभुम
भुभरः॥ दिभल्लयणनः॥ मेभुवभुभ॥ भुउणम॥ भन्नल्लकुल्ल
मर॥ भुभल्लरापेमा॥ विक्केल्लेतिभमभुव्रंउमेवदिविपंपरा॥ म
भुभुएतिउल्लेतिभुभुइविपपगंपरा॥ भन्नल्लउयडल्लभवल्ल
तिप्रकीडिउ॥ नभम॥ मयडल्लउम॥ भप्रकीडिउ॥ उभल्ल

॥ १॥
मय इल वा इम डि प्र की डि उ ॥ व लं ग उ ल द प्र रं य उ ले व र व लि नि
उ म ॥ १॥ उ म उ इ ल प्र रं य व ल भी व रि ॥ व इ म भ द गी इ ल मे व लं
भ र भं भ र ग ॥ प क मे व इ उ इ ल ए क मे व प्र र इ य भा ॥ ठ भ री व इ डि उ उ
इ इ भ म व ए ग डि उ डि ॥ उ डि वे प्र वी म डि मि प्र ग ए भ द भ यं डि
दि ल य ॥ य व वि भ न्न उ पे ॥ भ व ए ग इ पि री उ स क भ क ल वि इ म
ल्ल उ पे ॥ पि ए ग म यी भ क ल ए र गी र र्णी उ डि प्र क र उ र ॥ पि क
ए इ य र्णी म मि उ ॥ भ यं भ द स र क इ र क ॥ यं गि री ह म य व व ॥ मि
भ म इ इ य भ ल वि इ य प र भ व रि ॥ ए ग इ इ य व र उ पुं म ग भ व दि

उप्रिया॥ पद्म कुतुभयं विभुं उमयी भभरुनी॥ उमयी भुल विभुं मउ
 वामक वया भित्त॥ दकर हुं भभ कुतं ककर तु पूरु लर॥ रेंद मप्रिभ
 कं वं वेल लउ इष्ट भभ वः॥ लकर उ विवी एउ उ भद्रि विभ भयी मभ
 पुः पद्म म मा एउ कुतं उमयी मिव॥ यष्ट यष्ट पद्म कुत व य म
 विरुगी रिउ॥ भभ भवे वगी देवी भभ भवे भदे वः॥ हा पुं पद्म म लोभ
 विष्ट कुत मद्रिक॥ पद्म विष्ट व धा विष्ट उ विर पिम वः॥ भुग
 ह ल म न भ उ रिं मद्रिक दिरी॥ भ उ रिं मद्रिक येन धा विं म उ कुत पिनी॥
 उकु गी उ व व म विष्ट वः॥ वुत मद्रि॥ मय भ उ उ र रः॥ मिव मद्रि

मभरं प्रकमविभञ्जः॥ प्रवेत्तं नयेन प्रकमविभञ्जः परवप्यसीकृतम्
पञ्चकृतं तयपरिभञ्जः॥ उषं कृतं नभद्वारं लिपदकरमीविप्रकः
मविभञ्जप्यसीकृतं तयमंपत्रनि॥ मिवमजिउपपञ्चकृतं तय
लभुद्रुपविभञ्जयकभकलठगवजीपरविड्डुः॥ पञ्चकृतं
उरं हृष्टपकठवेरपञ्चकृतं मगुत्तठवति॥ इषादि॥ हेममीरं
वः प्रवेष्टपकः॥ उडं उडं हृष्टः॥ प्रकमप्रमवेरमपकेगुः॥
वयेद्रुमद्यभञ्जः॥ वद्रेभुयः मद्यभञ्जउपां॥ एतुमुद्रुमः
मद्यभञ्जउपरमः पविष्टः पञ्च॥ मद्यभञ्जउपरमगः॥ मेवंपञ्च

四

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org